B
A
O
U

ડૉ. બાબાસાહેબ આંબેડકર ઓપન યુનિવર્સિટી
(ગુજરાત સરકાર દ્વારા સ્થાપિત)
"જ્યોતિર્મય" પરિસર,
શ્રી બાલાજી મંદિરની સામે, સરખેજ-ગાંધીનગર હાઈવે,
છારોડી, અમદાવાદ-૩૮૨ ૪૮૧
E-maiM: feedback@baou.edu.in Website : www.baou.edu.in

સત્રીયકાર્ય ફેબ્રુઆરી-૨૦૧૭

अनुस्नातक अभ्यासक्रम (हिन्दी)

પાઠયક્રમ શીર્ષક

MHD

एम. ए. हिन्दी प्रथम वर्ष के पाठ्यक्रम

MHD-02: *आधुनिक हिन्दी काव्य*

MHD-03: *उपन्यास और कहानी*

MHD-04: *नाटक और अन्य गद्य विधाएँ*

MHD-06: *हिन्दी भाषा और साहित्य का इतिहास*

અગત્યની સૂચનાઓ

- વિદ્યાર્થીઓએ પોતાના પાઠયક્રમોના સ્વાધ્યાયકાર્યો અભ્યાસકેન્દ્ર/યુનિવર્સિટીની વેબ-સાઈટ પરથી મેળવવાના રહેશે.
- સત્રાંત પરીક્ષા આપવા માટે સ્વાધ્યાય કાર્ય રજુ કરવા ફરજીયાત છે. સ્વાધ્યાય કાર્ય જમા કરાવેલ નહીં હોય, તો પરીક્ષા ફોર્મ સ્વીકારવામાં આવશે નહીં.
- તૈયાર કરેલ સ્વાધ્યાયકાર્યો અભ્યાસકેન્દ્ર પર જમા કરાવવાની છેલ્લી તારીખ ૩૦/૦૭/૨૦૧૭ છે. આ તારીખ પછી વિદ્યાર્થીઓ દ્વારા મોકલાવેલ સ્વાધ્યાયકાર્યો સ્વીકારવામાં આવશે નહી.
- જમા કરાવેલ સ્વાધ્યાયકાર્યોની પહોંચ અભ્યાસકેન્દ્ર પરથી લેવી ફરજીયાત છે.
- વિદ્યાર્થીઓએ નિયત સમય મર્યાદામાં સ્વાધ્યાયકાર્યો અભ્યાસકેન્દ્ર પર જમા કરાવવા તેમજ મૂલ્યાંકન થયા બાદ મૂલ્યાંકન પત્રક સાથેના સ્વાધ્યાયકાર્યો અભ્યાસ કેન્દ્ર પરથી અવશ્ય પરત લેવા.
- વિદ્યાર્થી પોતાના સ્વાધ્યાયકાર્યોના ગુણ યુનિવર્સિટીની વેબ-સાઈટ પર જોઈ શકશે.
- માસ્ટર ડિગ્રી અભ્યાસક્રમમાં પાસ થવા માટે 40 માર્કસ જરૂરી છે.

सत्रीय कार्य के लिए आवश्यक निर्देश

प्रिय विरूार्थी मित्रो

यह एम.ए. हिन्दी प्रथम वर्ष के पाठ्यक्रमों का सत्रीयकार्य है । आपको सभी पाठ्यक्रमों के लिए एक-एक सत्रीय कार्य तैयार करना है । प्रत्येक़ सत्रीयकार्य पाठ्यक्रमों के सभी खण्डों कें आधार पर तैयार किए गए हैं । कविता कहानी उपन्यास नाटक में से कुछ गंरूाश/परूांश की संदर्भ सहित व्याख्याएँ लिखनी होगी । कुछ प्रश्न आलोचनात्मक निबंधात्मक हैं जिनके उत्तर विस्तार से लिखने होंगे तो कुछ टिप्पणी पर प्रश्नों के उत्तर देने होंगे । अन्तिम प्रश्न बहु विकल्प आधारित प्रश्न के लिए रिक्त स्थनो की पूर्ति या सही जोड़े बनाइए अवश्य होगा । इन सभी पूछे गए प्रश्नों का ढांचा परीक्षा में पूछे गये प्रश्नों जैसा ही होता है । इसलिए इस कार्य को करने से पहले अपनी सम्पूर्ण पाठ्यसामग्री को अच्छी तरह से पढें समझें और फिर अपने शब्दों में उत्तर तैयार करें ।

डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मुक्त विश्व विरूालय में अगस्त वर्ष २००७ तक प्रवेश लेनेवाले विरूार्थी को एम.ए प्रथम वर्ष एवं द्वितीय वर्ष के अभ्यासक्रम/पाठ्यक्रम में चार क्रेडिट के पाठ्यक्रम में दो सत्रीयकार्य और आठ क्रेडिट में तीन सत्रीयकार्य करने होते थे । लेकिंन वर्ष २००८ से ऐकेडमिक प्लानिंग बोर्ड (A.P.B.) *की मंजूरी से पाठयक्रम दीठ एक-एक स्वाध्याय तैयार करने की पद्धति शुरू हुई है । प्रत्येक स्वाध्याय कार्य में पास होंना अनिवार्य है । उतीर्ण होंने के लिए प्रत्येक सत्रीयकार्य में ४० अंक लाना जरूरी है। सत्रीयकार्य का मुख्य उद्देश्य है सत्रांत परीक्षा के लिए तैयार करना । आपसे सत्रांत परीक्षा में जो प्रश्न पूछे जाऐगें उनका ढाँचा सत्रीयकार्य में पूछे गये प्रश्नो जैसा ही होगा । इसलिये सत्रीयकार्य तैयार करने के कार्य को गंभीरता से लें , तथा स्पष्ट एंव शुद्ध भाषा में उत्तर तैयार करें ।*

सत्रीय कार्य पुस्तिका के प्रथम पृष्ठ पर निम्न लिखित सूचनाऐं लिखना परम आवश्यक है तथा जमा करने की अंतिम तारीख में अपने स्वाध्यायकार्य अभ्यासकेन्द्र पर अवश्य जमा करे ।

अनुक्रमांक .....
नाम .....
पता .....
मोबाइल नं. .....
दिनांक .....

पाठ्क्रम शीर्षक .....
सत्रीय कार्य कोड .....
अभ्यास केन्द्र का नाम तथा कोड .....

शुभकामनाओं के साथ

डॉ.बाबासाहेब अंबेडकर ओपन युनिवर्सिटी

पाठ्यक्रम कोड:- :- MHD-02:आधुनिक हिन्दी काव्य

सत्रीयकार्य कोड:- MHD-02/AST-01/TMA/2017

(सभी खण्डों के आधार पर)

अभ्यासकेन्द्र पर जमा करने की अंतिम तिथि :- 30/07/2017 **(कुल अंक:-100)**

विभाग-क विवरणात्मक प्रश्नों के उत्तर १५०० शब्दों में दीजिए । **(2 x 20 = 40)**

1 *''उन्नति तथा अवनति प्रकृति का नियम एक अखंड है*
बढ़ता प्रथम जो व्योम में गिरता वही मार्तण्ड है ।
अतएव अवनति ही हमारी कह रही उन्नति कथा
उत्थान ही जिसका नहीं, उसका पतन ही क्या भला'' ।

अथवा

''बाँधो न नाव इस ठाँव, बन्धु !
पूछेगा सारा गाँव, बन्धु !
यह घाट वही जिस पर हँस कर
वह कभी नहाती थी धँस कर
आँखें रह जाती थी फँसकर
कंपते थे दोनों पांव, बन्धु !

2 *'फैंटेसी' शिल्प की दृष्टि से मुक्तिबोध की काव्यगत विशेषताओं पर प्रकाश डालिए*

अथवा

अर्थ सघनता एवं भाषागत संगठन या कसाव की दृष्टि से अज्ञेय की किसी एक कविता का मूल्यांकन कीजिए ।

विभाग-ख मध्यम श्रेणी के प्रश्नों के लगभग १००० शब्दों में उत्तर दीजिए । (किन्हीं दो) **(2 x 15 = 30)**

1 *श्रीकान्त वर्मा की कविताओं में इतिहास और वर्तमान का द्वन्द किस रूप में अभिव्यक्त हुआ है? स्पष्ट कीजिए ।*

2 *शमशेर के काव्य की विचार भूमि का विवेचन कीजिए ।*

3 *सुमित्रानंन्दन पंत की काव्य् यात्रा के विविध चरणों का विश्लेषण कीजिए ।*

4 *नागार्जुन के काव्य में संवेदना के विविध् रूपों का विश्लेषण कीजिए ।*

विभाग-ग संक्षेप में उत्तर दीजिए । (कोई भी चार) **(5 x 4 = 20)**

1 *महादेवी की काव्य संवेदना*

2 *धूमिल की कविताओं में राजनैतिक चेतना ।*

3 *जयशंकरप्रसाद की काव्य भाषा ।*

4 *भारतेन्दु की कविताओं में राष्ट्रीय चेतना ।*

5 *श्रध्दा के चरित्र की प्रमुख विशेषताएँ*

6 *रघुवीर सहाय की काव्य भाषा*

विभाग-घ (अ) निम्नलिखित के जोड़े बनाइए । **(5x2=10)**

रचना		**रचनाकार**
अंधेर नगरी	-	*अज्ञेय*

यामा	-	*महादेवी*
तारसप्तक	-	*भारतेन्दु*
शक्तिपूजा	-	*सुमित्रान्दन पंत*
पल्लव	-	*निराला*

(ब) निम्नलिखित वाक्यों की पूर्ति उचित शब्द प्रयोग द्वारा कीजिए ;

१ शमशेर की कविता ..... है । (मार्क्सवादी/समाजवादी)

२ मुक्तिबोध की कविता की प्रमुख विशेषता..... है । (छोटी कविता/लम्बी कविता)

३ महादेवी वर्मा की कविता ..... है । (श्रृंगार/वेदनानुराग)

४ सुमित्रनंदन पंत ..... के कवि है । (कठिन प्रकृति/कोमल प्रकृति)

५ जय शंकर प्रसाद ..... कवि हैं । (समाजवादी/मानवतावादी)

डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर ओपन युनिवर्सिटी

पाठ्यक्रम कोड* :- MHD-03:*उपन्यास और कहानी

***सत्रीयकार्य कोड* :- MHD-03/AST-01/TMA/2017**

(सभी खण्डों के आधार पर)

***अभ्यासकेन्द्र पर जमा करने की अंतिम तिथि* :- 30/07/2017 (*कुल अंक*:-100)**

***विभाग-क विवरणात्मक प्रश्नों के उत्तर १५०० शब्दों में दीजिए ।* (2 x 20 = 40)**

१) जादुई यथार्थवाद की अवधारणा को स्पष्ट करते हुए बताइए कि क्या 'तिरिछ' कहानी में इसके प्रयोग द्वारा सामाजिक यथार्थ को सफलतापूर्वक उजागर किया गया है ।

अथवा

भ्रष्ट नौकरशाही की क्रूरता और अमानवीय प्रवृत्तियाँ कैसे जिंदा इन्सान को मुर्दा में तब्दील कर देती हैं 'भोलाराम का जीव' के संदर्भ में रेखांकित कीजिए ।

२) 'सिक्का बदल गया' कहानी विभाजन की त्रासदी में मानवीय संवेदनाओं के बचे हुए कुछ मूल्यवान क्षेत्रों की अभिव्यक्ति करती है समझाइए ।

अथवा

धर्म के सहारे सत्ता में बने रहने की पिपासा देश को साम्प्रदायिक दंगों की आग में झोंक सकती है । 'सूखाबरगद' के माध्यम से स्पष्ट कीजिए ।

विभाग-ख मध्यम श्रेणी के प्रश्नों के लगभग १००० शब्दों में उत्तर दीजिए । (2 x 15 = 30)
(किन्हीं दो)

१) 'मैला आंचल' में अभिव्यक्त सामाजिक अंत:विरोधों को रेखांकित कीजिए ।

२) 'गोदान' में चित्रित नारी पात्रों के संघर्ष के विविध आयामों को रेखांकित कीजिए ।

३) 'त्रिशंकु' कहानी भारतीय नारी के परम्परागत मूल्यों और बंधनों से मुक्त होने की छटपटाहट की अभिव्यक्ति करती है स्पष्ट कीजिए ।

४) 'बाणभट्ट की आत्मकथा' की प्रासंगिकता पर प्रकाश डालिए ।

विभाग-ग निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षेप में उत्तर दीजिए । (कोई भी चार) **(5 x 4 = 20)**

१) मधुलिका का चरित्र चित्रण ।

२) भट्टिनी का चरित्र चित्रण ।

३) गोदान में चित्रित किसान जीवन ।

४) शाहनी का चरित्र चित्रण

५) 'रोज' में नारी की सामाजिक स्थिति का चित्रण ।

६) 'कुत्ते की पूँछ' कहानी का व्यंग्य ।

७) 'चीफ की दावत' में चित्रित मध्यवर्गीय अवसरवाद

विभाग-घ (अ) निम्नलिखित में से किन्ही दस के सही जोड़े बनाइए । **(5x2=10)**

	रचना		**रचनाकार**
१)	'धरती धन न अपना'	-	हजारीप्रसाद द्विवेदी
२)	'सूखा बरगद'	-	फणीश्वरनाथ रेणु
३)	'मैला आंचल'	-	जगदीशप्रसाद
४)	'बाणभट्ट की आत्मकथा'	-	मंजूर एहतेशाम
५)	'गोदान'	-	जयशंकर प्रसाद
६)	'कुत्ते की पूँछ'	-	अज्ञेय
७)	'पुरस्कार'	-	यशपाल
८)	'पिता'	-	प्रेमचन्द
९)	'त्रिशंकु'	-	ज्ञानरंजन
१०)	'रोज'	-	मन्नू भंडारी
११)	'भोलाराम का जीव'	-	भीष्म साहनी
१२)	'चीफ की दावत'	-	हरिशंकर परसाई

डो.बाबासाहेब अंबेडकर ओपन युनिवर्सिटी

पाठ्यक्रम कोड :- MHD-04:नाटक और अन्य गरू विधाएँ

सत्रीयकार्य कोड:- MHD-04/AST-01/TMA/2017

(सभी खण्डों के आधार पर)

अभ्यासकेन्द्र पर जमा करने की अंतिम तिथि :- 30/07/2017 **(कुल अंक:-100)**

विभाग-क विवरणात्मक प्रश्नों के उत्तर १५०० शब्दों में दीजिए । **(2 x 20 = 40)**

1 संदर्भ सहित व्याख्या करें :

''ऐसा जीवन तो विडंबना है जिसके लिए रात-दिन लड़ना पड़े । आकाश में जब शुभ शरद शशि का विलास हो, तब भी दाँत पर दाँत रखे मुट्ठियों को बाँधे लाल आँखों से एक दूसरे को घूरा करें । वसंत के मनोहर प्रभात में निवृत कगारों में चुपचाप बहने वाली सरिताओं के स्रोत गरम रक्त बहाकर लाल कर दिया जाय । नहीं नहीं चक्र ! मेरी समझ में मानव-जीवन का यही उदेश्य नहीं है । कोई और भी निगूढ़ रहस्य है । चाहे मैं स्वयं उसे न जान सका हूँ ।''

अथवा

''पता नहीं
प्रभु है या नहीं,
किन्तु उस दिन यह सिद्ध हुआ,
जब कोई भी मनुष्य,
अनासक्त होकर चुनौती देता है इतिहास को,
उस दिन नक्षत्रों की दिशा बदल जाती है,
नियति नहीं है पूर्व निर्धारित,
उसको हर क्षण मानव निर्णय बनाता-मिटाता है'' ।

२ *'अंधायुग' के पात्रों के परिचय देते हुए चरित्रों की प्रतीकात्मकता पर प्रकाश डालिए ।*

अथवा

'वसंत का अग्रदूत' की अंतर्वस्तु को उजागर करते हुए उसके संरचनात्मक वैशिष्ट्य पर प्रकाश डालिए ।

विभाग-ख मध्यम श्रेणी के प्रश्नों के उत्तर लगभग १००० शब्दों में दीजिए । **(2 x 15 = 30)**

(किन्हीं दो)

१) *'अंधेर नगरी' नाटक की व्यंग्य बिडंबना की व्याख्या करते हुए बतलाइए कि यह नाटक किस अर्थ में आज भी प्रांसगिक है ।*

२) *काव्य नाटक के रूप में 'अंधायुग की रचनात्मक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।*

३) *द्विवेदीजी ने 'कुटज' के माध्यम से मानव प्रकृति और मानव-धर्म के ऐसे पहलुओं पर प्रकाश डाला है जिसका मानव-सभ्यता, संस्कृति के विकास में केन्द्रीय महत्व है । समझाइए ।*

विभाग-ग संक्षेप में उत्तर दीजिए । (कोई भी चार) **(5 x 4 = 20)**

१) *'लोभ और प्रीति' निबन्ध की भाषा*

२) *'ताँबे के कीड़े' नाटक की प्रतीकात्मकता*

३) *'क्या भूलूँ क्या याद करूँ' का शिल्प*

४) *'वंसत का अग्रदूत' के निराला'*

५) *'स्कन्दगुप्त' की चारित्रिक विशेषताएँ*

६) *'ठकुरी बाबा' रेखाचित्र की विशेषताएँ*

विभाग-घ (अ) नीचे गद्य की विविध विधाओं की रचना तथा रचनाकारों के नाम दिए गये हैं उनके सही जोड़े बनाइए ; **(10 x 1 = 10)**

	रचना		***रचनाकार***
१)	*तांबे के कीड़े*	-	*राहुल सांकृत्यायन*
२)	*अंधेर नगरी*	-	*अमृतराय*
३)	*स्कन्दगुप्त*	-	*हरिवशंराय बच्चन*
४)	*ठकुरीबाबा*	-	*अज्ञेय*
५)	*वसंत का अग्रदूत*	-	*महादेवी वर्मा*
६)	*क्या भूलूँ क्या याद करूँ*	-	*भुवनेश्वर*
७)	*कलम का सिपाही*	-	*धर्मवीर भारती*
८)	*अंधायुग*	-	*जयशंकर प्रसाद*

९) आधे-अधूरे - श्रीकान्त वर्मा

१०) औक्टेवियो पॉज - मोहन राकेश

११) अदम्य जीवन - भारतेंदु

१२) फिर किन्नर देश की ओर - रांगेय राघव

डो.बाबासाहेब अंबेडकर ओपन युनिवर्सिटी

पाठ्यक्रम कोड :- MHD-06 : हिन्दी भाषा और साहित्य का इतिहास

सत्रीयकार्य कोड:- MHD-06/AST-01/TMA/2017

(सभी खण्डों के आधार पर)

अभ्यासकेन्द्र पर जमा करने की अंतिम तिथि :- 30/07/2017 (कुल अंक:-100)

विभाग-क विवरणात्मक प्रश्नों के उत्तर १५०० शब्दों में दीजिए । (2 x 20 = 40)

१ साहित्य में काल विभाजन का महत्व समझाते हुए हिन्दी साहित्य के इतिहास में आदिकाल के नामकरण और काल-विभाजन को स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

भारत वर्ष में कौन-कौन से भाषा परिवार हैं । उन सभी का संक्षिप्त परिचय दीजिए ।

२ भक्तिमार्ग का अर्थ और दृष्टिकोण स्पष्ट करते हुए उसके अखिल भारतीय स्वरूप पर प्रकाश डालिए ।

अथवा

संसार की भाषाओं के वर्गीकरण के आधार की चर्चा करते हुए संसार के प्रमुख भाषा परिवारों परिचय दीजिए ।

विभाग-ख मध्यम श्रेणी के प्रश्नों के लगभग १००० शब्दों में उत्तर दीजिए । (किन्हीं दो) (2 x 15 = 30)

१. साहित्यिक भाषा के रूप में खड़ी बोली के उपयोग और उसके विकास का परिचय दीजिए ।

२. रीतिकाल की विविध साहित्यिक प्रवृत्तियों का विवेचन कीजिए ।

३. आधुनिक युग में हिन्दी की प्रमुख भूमिकाओं का उल्लेख कीजिए ।

४. प्रयोगवाद और नई कविता के शिल्प और संवेदना के अन्तर को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए ।

विभाग-ग निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षेप में उत्तर दीजिए । (किन्हीं भी चार) (5 x 4 = 20)

१. हिन्दी, उर्दू और हिन्दुस्तानी का परस्पर संबंध ।

२. अपभ्रंश का स्वरूप और विकास ।

३. राजभाषा हिन्दी का कार्यान्वय ।

४. रीतिकालीन काव्य भाषा का आधार

५. आरम्भिक हिन्दी उपन्यास ।

६. हिन्दी उपन्यास और दलित चेतना ।

विभाग-घ (क) तथा (ख) के सही जोड़े बनाइए **(10 x 1 = 10)**

(क)	**उपभाषा**		**बोलियाँ**
	१. राजस्थान की उपभाषा	-	खड़ी बोली
	२. पश्चिमी उपभाषा	-	मारवाडी
	३. पूर्वी उपभाषा	-	अवधी
	४. मुस्लिम भाषा	-	हिन्दवी, हिन्दी
	५. हिन्दुस्तान की भाषा	-	अरबी फारसी
(ख)	१. तुलसीदास	-	कृष्णमार्गी
	२. सूरदास	-	राममार्गी
	३. कबीर	-	निर्गुणमार्गी
	४. जायसी	-	अद्वैतवादी
	५. शंकराचार्य	-	निर्गुण प्रेममार्गी